राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | वर्ष २०२३, शुक्ल पक्ष (भाद्रपद) विक्रम संवत - २०८०, अक्टूबर | ई बुलेटिन : मासिक पत्रिका

संघ और आपदा प्रबंधन

आपदा राहत से जोखिम न्यूनीकरण की ओर.....अपने देश में, हाल के दिनों में प्राकृतिक असंतुलन, मौसम परिवर्तन अथवा मानवीय भूल जनित खतरों की चपेट में आने के फलस्वरूप आपदाओं की बारंबारता (फ्रीक्वेंसी) अप्रत्याशित रूप से बढ़ी है। अचानक आई भूकंप हो या अपेक्षाकृत कुछ ही घंटों में अत्यधिक वर्षा से उत्पन्न बाढ़। साल दर साल उच्चतम तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि हो, पर्वतीय क्षेत्रों में भारी भूस्खलन हो, तटवर्ती क्षेत्रों में समुद्री तूफान का तांडव हो या मैदानी क्षेत्रों में स्थानीय कम दबाव वाले क्षेत्रों में भीषण आंधी तूफान। आकाशीय विद्युत अपघात या अन्य प्राकृत आपदाओं अथवा मानवीय भूल के कारण घटित कई प्रकार की आपदाओं के दौरान राष्ट्रीय स्वयं संघ के स्वयंसेवक अंतःप्रेरणा एवं समाज के वंचित, पीड़ित, उपेक्षित या अभावग्रस्त बंधु भागिनी के के लिए नैसर्गिक ममत्व भाव से प्रेरित होकर अपनी कर्तव्य परायणता की भावना के साथ आपदा पीड़ितों या हताहतों (घायल या मृत) की अहर्निश सेवा में जुट जाते हैं। 30 अक्टूबर 2022 को गुजरात के मोरबी

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा आयोजित आपदा प्रबंधन वर्ग

1	2	3
मुंबई (महाराष्ट्र)	भुवनेश्वर(उड़ीसा)	गाजियाबाद(उ.प्र.)
16 प्रान्त	09 प्रान्त	17 प्रान्त
127 प्रतिभागी	71 प्रतिभागी	66 प्रतिभागी

- 1947 रावलपिंडी मुस्लिम दंगाइओं से लाखो शरणार्थियों की रक्षा एवं जीवन प्रबंधन
- 1950 पूर्वी बंगाल के शरणार्थियों की जीवन रक्षा
- 1977 आन्ध्र में चक्रवात की विनाशलीला
- 1977 भरतपुर राजस्थान में भयंकर बाढ़
- 1978 यमुना की बाढ़ का प्रकोप, दिल्ली
- 1979 मुलापलम का समूचा गाँव जल मग्न
- 1979 मोरवी मच्छु नदी बाँध टूटा, गुजरात
- 1983असम में बंगलादेशी मुस्लिम घुसपैठियो द्वारा दंगे
- 1985 भोपाल गैस त्रासदी
- 1988 केरल में रेल दुर्घटना
- 1990 कश्मीरी हिन्दुओं का विस्थापन
- 1991 उत्तर काशी में भूकंप
- 1993 लातूर का विनाशकारी भूकंप
- 1994 सूरत में प्लेग महामारी
- 1995 हरियाणा डबवाली का प्रलयकारी अग्निकांड
- 1996 चटखी दादरी विमान दुर्घटना
- 1997 विशाखापत्तनम में विनाशकारी अग्नि कांड
- 1997 चेन्नई आग दुर्घटना
- 1997 चांपां रेल दुर्घटना
- 1997 उड़ीसा का विकराल अकाल
- 1997 मिजोरम-रियांग शरणार्थी सहायता
- 1998 गुजरात साईक्लोन
- 1999 उड़ीसा संदिश्तोंग
- 2001 कच्छ का भूकंप
- 2004 भारत के दक्षिणतर पर सुनामी विनाशलीला
- 2005 महाराष्ट्र में अतिवृष्टि से भयंकर विनाश लीला
- 2005 मुंबई बाढ़ आपदा
- 2007 बिहार में भीषण बाढ़
- 2013 उत्तराखंड बाढ़ आपदा
- 2014 कश्मीर बाढ़ आपदा
- 2018 केरला बाढ़ त्रासदी
- 1987–88 गुजरात का अकाल
- 2019-20-21 कोरोना महामारी
- 2023 बालासोर , उड़ीसा रेल दुर्घटना
- 2023 विपटजॉय चक्रवात आपदा
- 2023 हिमाचल, दिल्ली बाढ़ आपदा

16184	शिक्षा
10513	स्वास्थ्य
9543	सामाजिक
6805	स्वावलम्बन

सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय -झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर के 903 जिलों में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 43045 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

शहर के मच्छु नदी पर बने झूला पुल की दुर्घटना हो या विगत दो जून को उड़ीसा के बालासोर में ट्रेन दुर्घटना। दोनो आपदाओं के समय दुर्घटना स्थल पर घायलों की सुध लेने के लिए पहुंचने वालो में राष्ट्रीय सेवा भारती तथा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ता सबसे आगे थे। वहां उन्होंने घायलों के निष्क्रमण, मृतकों का सम्मानपूर्वक निपटान, घटना स्थल पर भीड़ का नियंत्रण, ग्रीन कॉरिडोर का निर्माण में निस्वार्थ सेवा प्रदान करते हुए NDRF को सहयोग किया। मृतक एवं घायलों के परिजनों की भी हर संभव सहायता की। रक्तदान से लेकर भोजन, पानी, दवा की व्यवस्था की गई। वह भी त्वरित एवं स्वतः स्फूर्त। समाज के समक्ष जब ~ जब संकट की घड़ी आती है ये कार्यकर्ता देवदूत की भांति सेवा कार्यों में लग जाते हैं।आपदाओं को रोकना तो संभव नहीं है किंतु सभी आपदा प्रवण बस्ती, नगर या जिलों में बसी संवेदनशील आबादी को होने वाली जन धन की हानि को न्यूनतम स्तर पर लाना संभव है। इस के लिए समुदाय स्तर तक, आपदा के स्वरूप की जानकारी, जागरूकता, पूर्व तैयारी, निकासी, बचाव, प्राथमिक उपचार एवं राहत, पहुंचाने हेतु समुचित प्रशिक्षण और साथ ही एक सुसंगत सांगठनिक रचना अपेक्षित है। यह विचार कर, राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा विगत एक एवं दो अक्टूबर 2022 को मुंबई में बृह्न मुंबई महानगरपालिका के आपदा प्रबंधन संस्थान में पश्चिमी भारत से 121 कार्यकर्ताओं को चयनित कर दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। पुनः 26 एवं 27 अगस्त 2023 को भुवनेश्वर में प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। इस वर्ग में पूर्व भारत के 71 प्रतिनिधि सम्मिलित हुए। शेष उत्तर भारत के कार्यकर्ताओं के लिए 23 और 24 सितंबर को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में ndrf के सहयोग से एक आपदा प्रबंधन वर्ग आयोजित किया गया।इस प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, राजेंद्र नगर साहिबाबाद (जिला ~ गाजियाबद) में संपन्न हुआ जिसमे 66 प्रतिभागियों ने भाग लिया। वर्ग का शुभारंभ करते हुए ndrf के महानिरीक्षक श्री मान नरेंद्र सिंह बुंदेला ने ndrf के गठन, विकास एवं उपलब्धियों की विस्तार से चर्चा की।अपने 16 बटालियन के साथ देश विदेश में आए आपदाओं के समय चलाए गए राहत अभियानों की जानकारी दी।

प्रशिक्षण प्रमुख वर्ग , बंगलुरु

प्रशिक्षण वर्ग की भूमिका : राष्ट्रीय सेवा भारती का एक महत्वपूर्ण आयाम है प्रशिक्षण जिसकी अभिन्न कड़ी है प्रशिक्षण प्रमुख । इस बात को ध्यान में रखते हुए एवं प्रशिक्षण विषय प्रांत स्तर पर अधिक प्रभावी और सुचारु रूप से चलाने की दृष्टि से अखिल भारतीय स्तर पर प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख वर्ग का आयोजन किया गया । इस वर्ग के माध्यम से प्रशिक्षण प्रमुखों की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए आवश्यक कौशल एवं ज्ञानवर्धन करने का प्रयास किया गया। यह वर्ग 9,10 सितम्बर को जनसेवा विद्या केंद्र चन्नेनहल्ली , बंगलुरु में आयोजित किया गया जिसमें 113 प्रशिक्षणार्थी 39 प्रांत से उपस्थित हुए इसमें सभी प्रान्त के प्रशिक्षण प्रमुख, प्रान्त प्रशिक्षण टोली के कार्यकर्ता थे । इस वर्ग में हमने न केवल सामाजिक क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने का कौशल प्रदान किया, बल्कि प्रशिक्षण टोली का गठन एवं प्रशिक्षण आयाम क्यों महत्वपूर्ण है इस पर भी दृष्टिकोण दिया।जिन विषयों पर सत्र हुए वे थे सामाजिक संगठन का वर्तमान संदर्भ, राष्ट्रीय सेवा भारती और सेवा विभाग की कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण की आवश्यकता, प्रशिक्षण को संस्थागत तौर पर कैसे खड़ा किया जाए, एक व्यवस्थित संचालन प्रक्रिया डिजाइन करने की प्रक्रिया। माननीय श्रीधर जी सागर ने प्रशिक्षणार्थियों के साथ सेवा संस्थान की यात्रा एवं अपना 60 दिन का सेवा व्रती प्रशिक्षण वर्ग अनुभव साझा किया। राष्ट्रोत्थान परिषद के रवीन्द्रजी ने विभिन्न सेवा परियोजनाओं में प्रशिक्षण की आवश्यकता और मूल्यांकन करने के तरीकों से कार्यकर्ताओं को अवगत करवाने के साथ उन्होंने प्रशिक्षण को डिजाइन करने या लागू करने के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में भी बताया। इस वर्ग का मुख्य उद्देश्य था कि कैसे कार्यतंत्र सीखकर कार्यकर्ता अपना व्यक्तिगत विकास करते हुए संगठन की जड़ों को मजबूत कर एवं मातृभूमि की सेवा में बेहतर योगदान दे सकता है।

39 प्रान्त | **113 प्रशिक्षणार्थी**

राष्ट्रीय सेवा भारती का उपक्रम

सुपोषित भारत अभियान

कुपोषण हमारे देश की प्रमुख चुनौतियों में से एक हैं, इसके निवारण हेतु **राष्ट्रीय सेवा भारती** द्वारा **"सुपोषित भारत अभियान"** की शुरुवात की गई है। जिसके अंतर्गत किशोरियों, गर्भवती महिलाओं एवं 5 वर्ष से कम आयु के बालक बालिकाओं हेतु विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस वर्ष सितम्बर माह में देश के प्रत्येक कौने में **सुपोषण जागरण सप्ताह** का आयोजन किया गया जिसमे **45 प्रान्तों** की **500 से अधिक जिलों** में कार्यक्रम संपन्न हुए एवं **50,000 से अधिक सेवित जन** रहें।

सेवा भारती, गुरुग्राम

सेवा भारती, हमीरपुर

सेवा भारती मध्यभारत,

कानपुर प्रांत

कोंकण प्रान्त

सेवा भारती अबोहर

सेवा भारती मध्यभारत स्वयंसेवक द्वारा वाहन रैली

सेवा भारती समिति, जयपुर

सेवा भारती समिति, काशी प्रान्त

सेवा भारती, मेरठ महानगर

सेवा भारती, संभल

सेवा भारती समिति, सवाई माधोपुर

कानपुर प्रांत में चित्रकारी प्रतियोगिता

रा . स्व. संघ, जनकल्याण समिति, मुंबई

आदिम जाति कल्याण कन्या छात्रावास

सेवा भारती समिति, सांगानेर

सेवा भारती, सीकर

सेवा भारती समिति, जयपुर

सेवा भारती समिति, जयपुर

सेवा भारती समिति, टोंक

सेवा भारती समिति, कोटपुतली

मालवा प्रान्त : सेवा भारती, इंदौर

घुमक्कड़ एवं अर्ध घुमक्कड़ जातियों के प्रशासनिक एवं सरकारी योजनाओं के जानकारी हेतु जागरण शिविर का आयोजन खजराना, मालवा प्रान्त में संपन्न हुआ।

सेवा भारती इन्दौर एवं प्रवासी समुदाय (बंजारा,धनगर ,पाल,लोहार,पारसी, व अन्य 47 समाज) इन्दौर के सहयोग से वार्ड क्रमांक 37,40 की बस्तयों के लिए प्रशासन द्वारा दस्तावेज बनवाने हेतु विशेष शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुख्यरूप से चंद्रशेखर आजाद नगर माननीय संघ चालक बृजेश जी बैस व कई स्वयंसेवक उपस्थित रहे। शिविर में जाति, आय, मूल निवासी, आयुष्मान कार्ड हेतु 350 लोगों के फार्म भरे गए। स्वरोजगार योजना, आवास योजना, शौचालय निर्माण योजना हेतु 1200+ लोगों ने जानकारी प्राप्त की।

जोधपुर प्रान्त : अनूपगढ़

किशोरी कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ:

सेवा भारती अनूपगढ द्वारा पूर्वांचल सेवा बस्ती मे वरिष्ठ पत्रकार गिरधारी जी स्वामी के करकमलों से किशोरी कौशल विकास केंद्र का शुभारंभ किया गया इस केंद्र पर घरों में झाड़ू पौंछा का काम करने वाली बहनों को उनकी बस्ती में ही नित्य दो घंटे सिलाई, मेहंदी, ब्यूटी पार्लर के प्रशिक्षण देने के साथ साथ उन्हें साक्षर बनाने का कार्य रहेगा

जयपुर प्रान्त : सेवा भारती,कोटा

सेवा भारती कोटा महानगर द्वारा संचालित शिक्षा एवं स्वावलंबन के प्रकल्पों पर अभियंता संगम के कार्यकर्ताओं ने परिवार सहित प्रकल्प दर्शन किया । निःशुल्क कोचिंग सेंटर और स्वावलंबन के मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र, कपड़े सिलाई केंद्र, लाइट बनाने आदि प्रकल्पों को देखा, इन केंद्रों को देखकर अभियंता संगम के कार्यकर्ताओं ने सेवा भारती के कार्यों की प्रशंसा की और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को स्वावलंबी बनाने के लिए सेवा भारती की महत्वपूर्ण भूमिका बतायी।

पंजाब प्रान्त : सेवा भारती, फाजिल्का

फाजिल्का पंजाब : गांव साबुआना में एक नये बाल संस्कार केन्द्र की स्थापना। इस अवसर पर विधिवत रूप से भारत माता की पूजा-अर्चना की गई। वैदिक मंत्रोच्चरण के बाद बाल संस्कार केन्द्र का शुभारंभ किया गया । श्री जगदीश जी कटारिया ने बच्चों को बालसंस्कार केंद्र का अभिप्राय बताते हुये, अच्छे आचरण को ग्रहण करने की शिक्षा बच्चों को दी । इनमें निशुल्क पढ़ाई, प्रशिक्षण के साथ साथ संस्कार भी बच्चों को दिये जाते हैं कि वह जो इन केन्द्रों से ग्रहण करके खुद तो सामर्थ बने ही साथ ही इसके लाभ बाद में समाज को भी मिल सके।

भूकंप राहत में पुनर्वसि कर बसाया अटल नगर (चपरेड़ी गुजरात)

हमारे पास ओढ़ने के लिए बस अनंत आकाश बचा था और बिछाने के लिए केवल धरती। विधाता को पता नहीं क्या मंजूर था, चंद मिनटों में ही सब कुछ जमींदोज हो गया था। घर बर्तन, बिस्तर, कपड़े जो कुछ भी तिनका-तिनका कर हमने चालीस बरसों में संजोया था अब मलबे के ढेर में बदल चुका था। कच्छ (गुजरात) में बाईस वर्ष पूर्व आए उस विनाशकारी भूकंप से हुई तबाही की दास्तान सुनाते हुए चपरेड़ी गांव के वर्तमान सरपंच श्री दामजी भाई की पलकें आज भी भीग जाती हैं। किंतु अगले ही पल जब वो अटल नगर में बने पक्के मकानों, चौड़ी सड़कों, शानदार स्कूल बिल्डिंग, पंचायत भवन व गांव के बीचों-बीच बने माता रानी के विशाल मंदिर को निहारते हैं तो फिर गर्व से सुनाते हैं चपरेड़ी के अटल नगर बनने की कहानी। क्या आप जानते हैं ? इस विनाशकारी भूकंप से खंडहर बन चुके चौदह गावों को सेवाभारती - गुजरात ने सेवा इंटरनेशनल की मदद से पुनः बसाया। उन्हीं गावों में से एक चपरेड़ी था जो आज सर्व सुविधायुक्त अटल नगर बन चुका है। **26 जनवरी 2001 को सारा भारत जब 52 वां गणतंत्र दिवस मना रहा था तब सुबह 8 बजकर 46 मिनट पर गुजरात के कच्छ जिले में एक प्रलयकारी भूकंप आया था। रिएक्टर स्केल पर 7.7 तीव्रता वाला दो मिनट चलने वाला यह भूकंप 13805 लोगों को लील गया था**। गुजरात के सैंकड़ों गांव प्रभावित हुए थे उन्हीं में से एक था चपरेड़ी। भूकंप के बाद गांव मे रहने वाले **300 परिवारों** का सबकुछ नष्ट हो गया था। दस लोग जान गंवा चुके थे व समूचा गांव मलबे के ढेर में तब्दील हो गया था।किंतु जहां विनाश होता है वहीं सृजन के अंकुर पनपते हैं। जिन्हें भूकंप निगल गया उन परिजनों को छोड़कर विधाता ने चपरेड़ी वासियों से बाकी जो कुछ छीना था, ईश्वरीय दूत बनकर आए इन कार्यकर्ताओं ने दिन-रात एक कर सब कुछ लौटा दिया। जहां पुराना गांव बसा था वहीं से कुछ दूरी पर खाली पड़ी जमीन पर पूरा गांव दोबारा बसाया गया। 2001 में इस गांव का भूमिपूजन हुआ व 2004 में लोकार्पण। नए गांव को नया नाम भी मिला अटल - नगर। नवनिर्माण के इस कार्य की संरचना में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कच्छ जिले के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन विभाग कार्यवाह श्री महेश भाई ओझा बताते हैं यह कार्य इतना आसान नहीं था।चपरेड़ी समेत कई गांव मलबे का ढेर बन चुके थे, मृत्यु अपना तांडव दिखा चुकी थी पर जो बच गये थे उनके लिए जीवन की लड़ाई बेहद कठिन थी। खासकर बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए स्कूल बिल्डिंगें जल्दी ठीक करना जरूरी था। वे बताते हैं कि कच्छ में चौदह गावों के साथ जामनगर , बनासकांठा, पाटण में ध्वस्त हुए **62 नए स्कूल भवन** समाज के सहयोग से दोबारा बनाए गए। हम सभी जानते हैं कि एक गांव को बसाने में कुछ दिन नहीं कुछ बरस लग जाते हैं। विनाश एवं निर्माण के बीच इन दो वर्षों में बांबुओं पर पतरे लगाकर कुछ मामूली बर्तनों व बिस्तर के साथ पत्थरों के चूल्हों पर खाना बनाकर जीवन गुजार रहे लोगों की हर मुश्किल में साथ खड़े रहे संघ के स्वयंसेवक।प्रांत मंत्री श्री गिरीश भाई बताते हैं कि हमने इन परिवारों को राशन, बर्तन, बिस्तर व अन्य आवश्यक सामानों के साथ ही आत्मविश्वास एवं स्वाभिमान से जीने का अवसर भी दिया। इस पूरे कंस्ट्रक्शन कार्य में कुछ तकनीकी लोगों को छोड़कर बाहर से कोई नहीं आया। गांव वालों ने ही स्वयं अपना गांव बसाया। मजदूरी समेत जिसे जो कार्य आता था उसने वो पूरे जतन से किया। इससे इन्हें अपने घरों को बनाने का संतोष भी मिला व सरकारी रेट पर मजदूरी भी। काम शुरू होने के बाद जब चूल्हे जले तो रोटियों में आई स्वाभिमान की सोंधी महक ने इनका संताप हर लिया।आईए अब वापस लौटते हैं चपरेड़ी के सरपंच दामजी भाई के पास। जिनकी आँखों में सेवा भारती - गुजरात के लिए बस कृतज्ञता ही कृतज्ञता है। वे कहते हैं कि ये कार्यकर्ता हमारे गांव में ईश्वरीय दूत की तरह आए और हमारे सुख-दुःख का भार अपने कंधो पर उठा लिया। हमारी कल्पनाओं से भी सुंदर गांव बसा कर दिया।शायद इसी को कहते हैं महाविनाश की धरती पर सृजन के अंकुर।

संपर्क :– नारणभाई वेलाणीमो.नं:: – 9727732588, 9428294365

पंजाब प्रान्त: सेवा भारती गढ़शंकर की उपस्थिति में ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेट श्री मगन बिहारी त्रिपाठी जी के लिए उपल्ब्ध करवाया गया।

जम्मू प्रान्त: सेवा भारती जम्मू कश्मीर में संस्कार केंद्र की दीदियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हुआ

मालवा प्रान्त

सेवा भारती द्वारा संचालित जीवन उमँग बालिका छात्रावास,मालवई आलीराजपुर (मालवा प्रान्त) की नन्ही बालिकाएं। छात्रावास में रहकर शिक्षित व संस्कारित होने के साथ साथ उन्हें दैनिक जीवन में नित्य उपयोग आने वाली वस्तुओं के निर्माण करने का कौशल भी दिया जा रहा है। इस दिशा में इन्हें खजूर के पत्तों से झाड़ू बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। बालिकाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त करके 15 झाड़ुओं का निर्माण भी किया।

मध्य भारत प्रान्त

सेवा भारती छात्रावास केदारपुर में शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के सम्मान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर छात्रावास में 51 शिक्षकों का सम्मान किया गया जिसमें सभी शिक्षकों को प्रमाण पत्र एवं पेन भेंटकर सम्मान किया गया।

आगामी प्रशिक्षण वर्ग

किशोरी विकास प्रशिक्षण वर्ग
28 व 29 अक्टूबर 2023
भाग्यनगर (हैदराबाद)

सुपोषित भारत प्रशिक्षण वर्ग
18- 19 नवम्बर 2023
जलगांव (महाराष्ट्र)

कार्यालय पता:
राष्ट्रीय सेवा भारती
BD-37, गली न.14, फैज़ रोड,
करोल बाग, नई दिल्ली -110005

वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : rashtriyasewa@gmail.com
फोन न. : 011-46523618,
मोबाइल न. 09868245005